दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
: 9792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 07.09.2020

प्रकाशनार्थ

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 का उच्च शिक्षा में क्रियान्वयन' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन IQAC तथा बी. एड. विभाग के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। वेबिनार के प्रथम दिवस के प्रथम सत्र में सर्वप्रथम प्रो. यू. पी. सिंह अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर, पूर्व कुलपति वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल वि.वि. जौनपुर, उ0प्र0 ने उद्घाटन भाषण में कहा कि महाराण प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज शिक्षा को राष्ट्रीय विकास का सबल साधन मानते थे। आज जब भारत को विश्व–पटल पर एक श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित करने की बात हो रही है, तो उसका आधार एक सर्वसमावेशी एवम् गुणवत्तायुक्त शिक्षा ही बन सकती है जिसका संकल्प इस शिक्षा नीति में व्यक्त किया गया है। तत्पश्चात मुख्य अतिथि प्रो. पी0के0 साहू, पुर्व कुलपति, इलाहाबाद वि0वि0 प्रयागराज उ0प्र0 ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के क्रियान्वयन के सन्दर्भ में कहा कि उदारीकरण, निजीकरण व भूमंडलीकरण के दौर में समाज, शिक्षक तथा शिक्षार्थियों मानवीय मूल्य, लोकतान्त्रिक मूल्य, सामाजिक विचारधारा एवं राष्ट्र के अस्मिता को बचाये रखना एक बड़ी चुनौती है, इस हेतु अपनी सांस्कृतिक विरासत, मानवीय मूल्य को आक्षुण बनाये रखना होगा, सतत् विकास हेतु सजग रहना होगा तथा आगे आने वाले पीढ़ी हेतु सोचना हागा। इस हेतु पर्यावरण अनुकूल शिक्षा, शांति–आन्दोलन, हरित शांति आन्दोलन को पाठ्यक्रम में लागू करते हुए समग्र शिक्षा उपागम हेतु विद्यार्थियों को तैयार करना होगा।

प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रो0 हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जय प्रकाश वि0वि0 छपरा, बिहार ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अन्तर्गत प्राथमिक शिक्षा/माध्यमिक शिक्षा एवम् अध्यापक शिक्षा की जिस संरचना की कल्पना की गई है, वास्तव में उस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है शिक्षा की गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने हेतु समस्त प्रत्यायन संस्थाओं को पारदर्शिता के साथ अपने उत्तरदायित्व के निर्वाहन हेतु प्रतिबद्ध होना होगा।

वेबिनार के द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. टी.एन. सिंह, कुलपति महात्मा गॉधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने कहा कि प्राचीन भारतीय गुरू शिष्य परंपरा को पुनः स्थापित करने हेतु शिक्षा नीति संकल्पित है, जो शिक्षा मात्र कक्षा–कक्ष तक सीमित है, उसे समाज से जोड़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में सरकार द्वारा शिक्षा पर जी.डी.पी. का कम से कम 6 प्रतिशत व्यय करना ही होगा तभी हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. धनंजय यादव, विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग प्रयागराज उ.प्र. ने उपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत को

ज्ञान की महाशक्ति बनाने की संकल्पना पर आधारित है। इस हेतु जीवन काशलों का सीखने की महती आवश्यकता है। इसके साथ ही छात्रों को अन्तर्राष्ट्रीय मॉग के अनुरूप वैश्विक नागरिक के रूप में तैयार करने के लिए विद्यार्थियों के अन्दर वैज्ञानिक दृष्टिकोण, सृजनशीलता, आलोचनात्मक चिंतन, स्व–मूल्यांकन करने की क्षमता, भारतीय संस्कृति व मूल्यों को आत्मसात करने की आवश्यकता है, ताकि उनमें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने की क्षमता विकसित हो सके। इसके साथ उन्होंने ऑनलाइन शिक्षा पद्धति की चुनौतियों में इन्टरनेट की सुचारू उपलब्धता को मुख्य चुनौति के रूप में रेखांकित किया। उन्होंने छात्रों के मूल्यांकन हेतु समग्र–मूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र–मूल्यांकन की तकनीकी के बारे में बताया। दोनों सत्रों के अन्त में प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के विविध पक्षों जैसे मातृ भाषा में शिक्षा, स्वायत्तता, व्यवसायिक शिक्षा, शिक्षा के निजीकरण, एम.फिल. प्रोग्राम, विद्यालयी शिक्षा के ढॉचे, छात्रों की संरचनात्मक मूल्यांकन के उपकरणों आदि से सम्बन्धित प्रश्न पूछे गये, जिसका समाधान वक्ताओं के द्वारा किया गया।

वेबिनार के दोनों सत्रों का संचालन प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता का स्वागत एवं परिचय वेबिनार के संयोजक डॉ. राजशरण शाही तथा डॉ. शशि प्रभा सिंह के द्वारा क्रमशः प्रथम व द्वितीय सत्र में किया गया। मुख्य अतिथियों तथा वक्ताओं का आभार ज्ञापन डॉ. शशि प्रभा सिंह तथा डॉ. गीता सिंह के द्वारा क्रमशः प्रथम व द्वितीय सत्र में किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुभाष चन्द्र, वेबिनार के आयोजन सचिव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, डॉ. अमर नाथ तिवारी तथा डॉ. नीतिश शुक्ला के द्वारा किया गया।

डॉ.(शैलेन्द्र प्रताप सिंह)
प्राचार्य